Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 11-05-2005

Participants : Govinda Shri

>

Title: Problems being faced by slum dwellers in North Mumbai.

श्री गोविन्दा (मुम्बई-उत्तर) : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा विस्तार में बोलने के लिए आपसे अनुमति चाहूंगा क्योंकि अगर सूरत का बखान नहीं करूंगा तो उस सूरत को बदलने वाली सूरत आपके सामने नहीं रख पाउंगा। सबसे पहले मैं अपने माता-पिता एवं गुरू जी को प्रणाम करता हूं, मैं अध्यक्ष महोदय एवं अपने वरिठों को प्रणाम करता हूं। मैं श्रीमती सोनिया गांधी जी को प्रणाम करता हूं एवं धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने एक ऐसे आदमी को अवसर दिया जो खुद गरीब बस्ती में पैदा हुआ और आज वह गरीबों के प्रश्नों को लेकर आपके समक्ष है। मैं ऊपर वाले का भी शुक्रगुज़ार हूं जिसने मुझे मनोरंजन की दुनिया में बीस साल दिए और आज मुझे लोगों के रंजोगम को दूर करने का एक अवसर दिया।

अध्यक्ष महोदय, उत्तर मुम्बई की आबादी लगभग 35 लाख है और यह करीब 114 किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैली हुई है। आज भी यहां के 10 से 12 लाख लोग झौंपड़पट्टियों में निवास रहते हैं। यहां की बेचारगी और लाचारगी इंसानियत की शक्ल पर वह काला तिल है जो दिनबदिन बढ़ता चला जा रहा है। उन्नति की धारणा रखने के बावजूद, इंसानियत के मुद्दे को ऊंचा रखते हुए, कांग्रेस के वायदे की लाज रखते हुए, परम आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी ने यहां के गरीबों को बेघर होने से बचा लिया।

MR. SPEAKER: Thank you. I compliment you on your maiden intervention.

श्री गोविन्दा : श्रीमती सोनिया गांधी जी के फैसले से उन्हें गरीबों की दुआओं का खजाना मिला। अपना काम चुपचाप करती हैं, किसी से कुछ कहती नहीं, ये दुआएं खामोश होती हैं, मगर कभी खामोश रहती नहीं। मेरी सरकार से, खास तौर पर गुलाम नबी आजाद साहब से यह गुजारिश है कि वे मेगा सिटी फण्ड, सिटी डेवलपमेट फण्ड उत्तर मुम्बई को दें। मुम्बई का तो विकास हो चुका है, वाशी, ठाणे और न्यू मुम्बई का भी विकास हो चुका है, लेकिन उत्तर मुम्बई का आज तक किसी रूप में भी विकास नहीं हो पाया है। यहां पर पानी की समस्या है, स्लम की समस्या है, ट्रेनों की समस्या है, यहां के मछुआरों की समस्याएं हैं, यहां की गरीब जनता की, मजदूरों की समस्याएं हैं, यहां बेरोजगारी की समस्या है, आदिवासियों की समस्या है। इन सभी समस्याओं के निवारण के लिए फण्ड की आवश्यकता है। मैं यह कहना चाहूंगा कि मुम्बई जो देश को 50 से 60 हजार करोड़ रूपये कर के रूप में देता है, यदि उस मुम्बई को फण्ड के रूप में दौलत के बदले दौलत न मिले तो कम से कम सहूलियत अवश्य मिलनी चाहिए। इस क्षेत्र में...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record that.

(Interruptions) ...[MSOffice10]*

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Mr. Govinda, please conclude. I have allowed you.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You do not have to reply them. Please conclude.

… (*Interruptions*)

श्री गोविन्दा : मैं अपनी बात संक्षेप में बता देता हूं।…(व्यवधान) वहां एक एसआरए स्कीम है। उसमें संशोधन किया जाए ताकि वहां की उन्नति हो सके। वहां बिल्डर्स जाने में ज्यादा उत्सुक नहीं होते क्योंकि वह सबर्ब एरिया है। गरीबों को रिहाइश की सुविधा मिले, उनको फायदा हो और बिल्डर्स को भी नुकसान न हो। केन्द्र सरकार कोई नियम बनाकर उन पर नियंत्रण रखे ताकि व्यापार को प्रोत्साहन मिल सके और उन्हीं लोगों को प्रोत्साहन मिले जो समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व समझें। वहां बड़े स्कूल और अस्पताल बनवाए जाएं। समय का ख्याल रखते हुए मैं अपनी बात संक्षेप में ही कहूंगा।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please conclude. Please conclude. You do not have to answer anybody. Please conclude. You do not have to respond.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have mentioned your point very well. I compliment you on your maiden speech.

श्री गोविन्दा : मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं और कहना चाहता हूं कि स्लम्स के मुत्तलिक जितने मसले हैं, उन पर ध्यान दिया जाए। वहां मदरसों पर ध्यान दिया जाए, एसएनडीटी कालेज महिलाओं के लिए बनाए जाएं ताकि माइनौरिटीज की लड़कियां पढ़ाई कर सकें। उस इलाके में बहुत बड़ी किनार पट्टी है।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please, I am helping you. I appreciate your point. I compliment you. I am sure the people in your area will be benefited by your intervention. They have a worthy representative.

12.51 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377*

MR. SPEAKER: Matters under Rule 377 listed for the day are treated as laid on the Table of the House.